प्रभात ग्रामोद्योग सेवा संस्थान

पता–ग्राम बहोड़ा खेड़ा, तहसील आंवला, ज़िला बरेली (उ0प्र0) का

वार्षिक प्रगति विवरण वर्ष 2023–24

स्वैच्छिक संस्था प्रभात ग्रामोद्योग सेवा संस्थान, पता–ग्राम बहोड़ा खेड़ा, तहसील आंवला, जिला बरेली (उ0प्र0) की स्थापना दिनांक 01–01–1999 में सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं बेरोजगार युवकों/युवतियों के लिये खादी ग्रामोद्योग, बच्चों को प्राथमिक स्तर से उच्च स्तर तक की शिक्षा एवं महिलाओं, बेरोजगार युवकों/युवतियों के लिये व्यवसायिक प्रशिक्षण, साक्षरता, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, महिला जागृति, वृद्धा कल्याण, दिव्यांगजन कल्याण, पर्यावरण कल्याण, पेयजल, बाल एवं युवा कल्याण दहेज एवं नशा उन्मूलन, सामाजिक कुरीतियों की रोकथाम तथा गरीबों की सहायता के लिये कार्यक्रम आयोजित कर क्षेत्रीय जनता लाभान्वित करने हेतु की गयी है। इस संस्था का रजिस्ट्रेशन दिनांक–08–02–1999 को हुआ था, तभी से संस्था समाजसेवा के लगातार कार्य कर रही है। संस्था द्वारा वर्ष–2023–24 में संचालित कार्यक्रमों की संक्षिप्त रूप–रेखा निम्नवत है :–

1. जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र बदायूँ:–संस्था द्वारा जिला बदायूँ के अक्षम दिव्यांगों को सक्षम बनाने हेतु दिव्यांगों के कल्याणार्थ जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र बदायूँ (DDRC) की स्थापना दिनांक–10 जून, 2014 में की गयी थी। इस केन्द्र द्वारा शारीरिक रूप से अक्षम दिव्यांगों को सक्षम बनाने का कार्य किया जाता है। ताकि जिला बदायूँ के दिव्यांग बन्धु अपनी अक्षमताओं को सक्षमता में बदलकर सामान्य मानव की भाँति जीवन यापन कर सकें। यह जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र, बदायूँ (DDRC) दिव्यांगों के कल्याणार्थ भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मन्त्रालय नई दिल्ली से 27 नवम्बर 2013 से अनुदानित है। लोकसभा चुनाव आचार संहिता के कारण DDRC का 10 जून, 2014 से विधिवत संचालन प्रारम्भ हुआ। संस्था जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र, बदायूँ (DDRC) में कार्यरत मनोवैज्ञानिक, प्रोस्थोटिक आर्थोटिक इंजीनियर, टैक्नीशियन आदि द्वारा अपने कर्मचारियों के माध्यम से जनपद के सभी ब्लाकों के दिव्यांगों का सर्वे किया जाता है, जिसमें शारीरिक रूप से अक्षम दिव्यांगों का चिन्हीकरण कर उनकी आवश्यकता के अनुसार उस दिव्यांग को किस कृत्रिम उपकरण,किस कृत्रिम अंग की आवश्यकता है। DDRC द्वारा एडिप स्कीम के अन्तर्गत संचालित कृत्रिम अंग सहायता केन्द्र के माध्यम से दिव्यांगों को कृत्रिम सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग प्रदान कर लाभान्वित कराया जायेगा है। इसके अतिरिक्त DDRC दिव्यांगों को प्रदान किये गये कृत्रिम सहायक उपकरण/अंग की मरम्मत करने का कार्य करता है। चिहिन्त दिव्यांगों के विकलांग प्रमाण–पत्र बनवाने एवं पेंशन हेतु आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु सहयोग प्रदान किया जाता है तथा चिन्हित मंद बुद्धि दिव्यांगों को DDRC द्वारा नियुक्त कर्मचारी द्वारा सांकेतिक शिक्षा के माध्यम से जीवन की दैनिक क्रियाओं से निवृत होने के जानकारी एवं पारिवारिक सम्बन्ध/जीवन को कैसे जिया जाये की जानकारी प्रदान कर लाभान्वित किया जाता है।

वर्ष–2023–24 में 1650 दिव्यांगजनों का चिन्हीकरण किया गया है। विगत वर्ष 2023–24 में DDRC में नियुक्त स्टाफ द्वारा 50 चिन्हित मंद बुद्धि दिव्यांगजनों को सांकेतिक शिक्षा के माध्यम से जीवन की दैनिक क्रियाओं से निवृत होने के जानकारी एवं पारिवारिक सम्बन्ध/जीवन को कैसे जिया जाये की जानकारी प्रदान कर लाभान्वित किया गया है, 48 मूकबधिरों को स्पीचथैरेपिस्ट द्वारा शिक्षा साक्षरता प्रदान की गयी एवं फिजियोथैरेपिष्ट द्वारा चिन्हित 90 दिव्यांगों/ पीड़ित लोगों को एक्सरसाइज एवं सिकाई कर

--2 पर

सचिव
प्रभात ग्रामोद्योग सेवा संस्थान
ग्राम बहोड़ा खेड़ा, तहसील आंवला

लाभान्वित किया गया एवं 38 दिव्यांगों के कृत्रिम हाथ-पैर की मरम्मत, 30 दिव्यांगों के कैलीपर की मरम्मत एवं 27 दिव्यांगजनों को नये कैलीपर प्रदान कर लाभान्वित किया गया तथा 380 दिव्यांगों को दिव्यांग प्रमाण-पत्र/यूनिक आई.डी. बनवाकर दिये। इस प्रकार वित्तीय वर्ष-2023-24 में 663 दिव्यांगों को लाभान्वित किया गया है।

2- मानसिक मंदित आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्र बदायूँ:- संस्था द्वारा मानसिक मंदित एवं मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित विकलांगजन हेतु वर्ष-2016-17 में आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्र बदायूं की स्थापना की गयी। संस्था द्वारा 01 अक्टूबर, 2016 से संचालित इस आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्र में 25 मानसिक मंदित एवं मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजनों को भोजन-भरण पोषण सहित समस्त आवासीय सुविधायें निःशुल्क प्रदान कर उन्हें उनके शारीरिक व मानसिक विकास के लिए कार्य किया जाता है। संस्था द्वारा मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजनों को मोमबत्ती व दौना-पत्तल बनाने का निःशुल्क प्रशिक्षण देकर आत्म निर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है। संस्था के चिकित्सक द्वारा प्रत्येक माह में आठ बार समस्त मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजन का निःशुल्क चिकित्सीय परीक्षण किया जाता है। इसके अतिरिक्त आवश्यकता पड़ने पर किसी भी समय मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजन का संस्था के पार्ट टाईम चिकित्सक द्वारा चिकित्सकीय परीक्षण किया जाता है। वित्तीय वर्ष-2023-24 में 25 मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजन को समस्त आवासीय व चिकित्सकीय सुविधायें एवं प्रशिक्षण प्रदान कर लाभान्वित किया गया है।

3. पर्यावरण कल्याण शिविरः- संस्था ने वर्ष 2023-24 में पर्यावरण के क्षेत्र में काफी योगदान दिया है। संस्था ने जिला बरेली के ब्लाक रामनगर के ग्राम मऊ चन्दपुर, ग्राम श्यामपुर, ग्राम रामपुर, ग्राम हरदासपुर में पर्यावरण कल्याण शिविर का आयोजन कर पर्यावरण को दूषित होने से बचाना, दूषित पर्यावरण से होने वाली बीमारी आदि की व्याख्या कर ग्रामीण जनता को जागरूक किया है एवं पर्यावरण प्रदूषण कम करने के लिए लोगों को पेड़ पौधे लगाने हेतु प्रेरित किया। शिविर में आये प्रतिभागियों को जलपान कराकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

4- स्वच्छता एवं स्वच्छ पेयजल जागरूकता शिविरः- संस्था द्वारा वर्ष-2023-24 में जिला बरेली के रामनगर ब्लाक के ग्रामीण क्षेत्र के ग्राम खिलवारी, ग्राम गुलेली, ग्राम कमठेना, ग्राम गौंटिया में स्वच्छता एवं स्वच्छ पेयजल जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गावों में रहने वाले सभी लोगों को स्वच्छ पेयजल के बारे जानकारी प्रदान की और बताया गया कि पानी ढक कर रखें, यदि पानी में कोई कीटाणु प्रतीत हो तो तुरन्त ग्राम पंचायत में शिकायत दर्ज कराकर पानी में कीटनाशक दवा का घोल डलवायें। यदि सरकारी पाईप के पानी की व्यवस्था न हो तो सरकारी इन्डिया मार्क हैण्ड पम्प का पानी ही पीने के प्रयोग में लायें। यदि सरकारी हैण्ड पम्प का पानी उपलब्ध न हो तो घर के नलों का पानी उबाल कर पियें। जो स्वास्थ्य के लिये बहुत ही लाभकारी होता है। इसके साथ शिविर में लोगों को जानकारी प्रदान की गयी कि स्वस्थ्य रहने के लिये बहुत ही आवश्यक है कि गांव की गलियों और नालियों को प्रत्येक दिन साफ सुथरा रखा जाये, पानी जमा न होने दिया जाये, जिससे वातावरण भी स्वच्छ रहेगा और स्वास्थ्य भी। शिविर में प्रतिभागियों को जलपान कराकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

5- स्वास्थ्य जागरूकता शिविरः- संस्था ने वर्ष 2023-24 में जिला बरेली के ब्लाक रामनगर के अन्तर्गत ग्राम कन्धरपुर, ग्राम भूरीपुर, ग्राम दोकोला, ग्राम रहटुईया में स्वास्थ्य जागरूकता शिविरों का आयोजन किया। शिविर में संस्था के द्वारा बुलाये गये चिकित्सक ने शिशुओं में होने वाले रोग

--- 3 पर

सचिव
प्रभात ग्रामोद्योग सेवा संस्थान
ग्राम बांडा खेड़ा, तहसील आँवला
जिला बरेली (उ०प्र०)

उनका निदान व बचाव पर विस्तृत चर्चा की। उन्होने जानकारी दी कि किस प्रकार बच्चों की बीमारी की प्रारम्भिक जानकारी होने पर माता व उसके संरक्षक उसका उपचार व बचाव कर सकते हैं। उन्होनें बच्चों को स्वास्थ रखने के तरीको का विशादवर्णन किया। बच्चों को तेज़ बुखार, खसरा, निमोनिया, पीलिया, सूखाग्रस्त आदि रोगों की चिकित्सा हेतु शीघ्र चिकित्सक की परामर्श से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु प्रेरित किया गया। खास तौर पर पल्स-पोलियो की खुराक पिलाने हेतु भी जागरूक किया है। शिविर में टी.बी.रोग से पीड़ित महिला एवं पुरूषों को जागृत करने के लिए अवगत कराया गया कि टी.बी.रोग असाध्य रोग नहीं है जिसका इलाज न हो सके एवं उनके परिवारों को भी जागृत किया गया कि यह रोग छुआछूत का रोग नहीं है इसलिए समाज को इन्हें अपने समाज से दूर नहीं रखना चाहिये, बल्कि टी.बी.रोग से पीड़ित मरीजों को सरकारी अस्पताल में उपलब्ध दवा डॉट का लगातार सेवन कराकर टी.बी. रोग से मुक्ति दिला सकते हैं। इसके अतिरिक्त शिविर में प्रतिभागियों को समझाया गया कि कुष्ठ रोग भी असाध्य रोग नहीं है जिसका इलाज न हो सके एवं उनके परिवारों को भी जागृत किया गया कि यह रोग छुआछूत का रोग नहीं है इसलिए समाज को इन्हें अपने समाज से दूर नहीं रखना चाहिये, बल्कि इन्हें सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध दवाओं (एम.डी.टी.) का सेवन कराकर इस रोग से मुक्ति दिलाएं। शिविर में असुरक्षित यौन सम्बन्धों से उपजने वाली बीमारी एड्स के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की और बताया कि असुरक्षित यौन सम्बन्धों से एड्स की लाइलाज बीमारी हो जाती है, जिसका अभी तक कोई उचित इलाज नही है और यह रोग मृत्यु का कारण बन जाता है। एड्स की रोकथाम के लिये शिविर के प्रत्येक व्यक्ति को जानकारी दी कि एड्स से बचाव किया जा सकता है, जिसके लिये कन्डोम का इस्तेमाल किया जाना अनिवार्य है, जिससे जनसंख्या वृद्धि पर भी रोक लगेगी और एड्स का भी खतरा नहीं होगा। शिविर में गर्भ निरोधक अपनाने तथा छोटे परिवार से होने वाले लाभ आदि की जानकारी से लाभान्वित किया है। संस्था ने उक्त शिविर में यौन शिक्षा, गर्भ रोकने के उपाय एवं प्रजनन के समय की सावधानियों आदि की जानकारी से ग्रामीण जनता को लाभान्वित किया है। शिविर में टीकाकरण की महत्ता बताते हुए ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं तथा बच्चों को सरकारी अस्पताल में उपलब्ध टीकाकरण की सुविधा का लाभ उठाने हेतु माता-पिता को प्रेरित किया गया। शिविर में लोगों का परीक्षण कर दवाईयां भी निःशुल्क वितरित की गयीं। शिविर में आये प्रतिभागियों को जलपान कराकर शिविर का समापन किया गया।

उक्त कार्यक्रमों की सहायता से समिति की कार्यकारिणी समिति ने क्षेत्र में एक उज्जवल छवि प्राप्त कर ली है तथा संस्था के कार्यकर्ताओं का मनोबल भी बड़ा हुआ है। क्योंकि कार्यकर्ताओं को अपने कार्य के प्रति सफलता प्राप्त होती रही है।

दिनांक : 30-04-2024

(धर्मवीर सिंह)
सचिव
प्रभात ग्रामोद्योग सेवा संस्थान
ग्राम खोड़ा खेड़ा, तहसील आँवला
जिला बरेली (उ०प्र०)